भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1214
9 फरवरी, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना

1214. श्री विजय बघेल:
श्री सुनील कुमार सोनी:
श्री अरुण साव:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय मौसम विभाग का मुख्य और महत्वपूर्ण कार्य मौसम पूर्वानुमान है;
(ख) यदि हां, तो ऐसे किसानों के लिए मौसम विभाग द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं जो अपनी फसलों के लिए पूरी तरह से मौसम के पूर्वानुमान पर निर्भर है;
(ग) क्या सरकार द्वारा ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना को देश में लागू किया जा रहा है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसी योजना से लाभान्वित किसानों की संख्या कितनी है; और
(ङ) उक्त योजना के तहत दुर्ग संसदीय क्षेत्र के साथ-साथ बिलासपुर संसदीय क्षेत्र के बिलासपुर, मुंगेली और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों में लाभार्थियों की संख्या कितनी है ?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हाँ।

(ख)-(घ) भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के संयुक्त तत्वाधान में प्रदान की गई प्रचालन कृषि मौसम परामर्शी सेवा (एएएस), अर्थात ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना, देश में कृषक समुदाय के लाभ के लिए मौसम आधारित फसल और पशुधन प्रबंधन रणनीतियों और संचालन की दिशा में एक कदम है। योजना के तहत, जिला और ब्लॉक स्तर पर मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान तैयार किया जाता है और पूर्वानुमान के आधार पर, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर संस्थानों, आईआईटी आदि में स्थित 130 कृषि मौसम क्षेत्र इकाईयों (एएमएफयू) और आईसीएआर नेटवर्क के तहत केवीके में इकाईयां पर 199 जिला कृषि मौसम क्षेत्र ईकाइयों द्वारा कृषि मौसम परामर्शिकाएँ तैयार की जाती है और प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को किसानों को सूचित किया जाता है।

अत्याधुनिक मौसम पूर्वानुमान मॉडल का उपयोग करके ब्लॉक और जिला स्तरों पर 5-दिवसीय मध्यम श्रेणी के मौसम पूर्वानुमान सृजित किये जाते हैं। ये मौसम पूर्वानुमान एएमएफयू और डीएएमयू के साथ साझा किए जाते हैं ताकि जीकेएमएस योजना के तहत स्थान-विशिष्ट ब्लॉक और जिला स्तरीय एग्रोमेट परामर्शिकाएं तैयार की जा सकें और कृषक समुदाय को भेजी जा सके। ये पूर्वानुमान और एग्रोमेट परामर्शिकाएं किसानों को दिन-प्रतिदिन के कृषि कार्यों पर निर्णय लेने में मदद करती हैं, जो कम वर्षा की स्थिति और चरम मौसम की घटनाओं के दौरान मौद्रिक नुकसान को कम करने और फसल की उपज को अधिकतम करने के लिए कृषि स्तर पर इनपुट संसाधनों को इष्टम उपयोग किया जा सके।

कृषि मौसम परामर्शिकाओं का प्रसार किसान पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोन का उपयोग करके एसएमएस सहित प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरदर्शन, रेडियो, इंटरनेट आदि जैसे मल्टीचैनल प्रसार प्रणाली और सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत निजी कंपनियों के माध्यम से किसानों को किया जाता है। देश में 43.37 मिलियन किसान सीधे एसएमएस के माध्यम से कृषि मौसम परामर्शिकाएँ प्राप्त करते हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना के तहत समय-समय पर बारिश की स्थिति और मौसम की गड़बड़ी की निगरानी करता है और किसानों को अलर्ट और चेतावनियां जारी करता है। किसानों द्वारा समय पर कृषि कार्यों को करने के लिए उपयुक्त उपचारात्मक उपायों के साथ चरम मौसम की घटनाओं के लिए एसएमएस-आधारित अलर्ट और चेतावनियां जारी की जाती हैं। आपदा के प्रभावी प्रबंधन के लिए इस तरह के अलर्ट और चेतावनियां राज्य के कृषि विभाग के साथ भी साझा की जाती हैं।

सोशल मीडिया का उपयोग किसानों को पूर्वानुमान और परामर्शिकाओं के त्वरित प्रसार के लिए भी किया जाता है। वर्तमान में 3325 ब्लॉकों के 91,881 गांवों के किसानों को 10464 वाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से कवर किया गया है। इन वाट्सएप ग्रुपों में जिला एवं ब्लॉक स्तर के राज्य कृषि विभाग के अधिकारी भी शामिल हैं। देश भर में AMFU और DAMU द्वारा YouTube चैनल के माध्यम से एग्रोमेट परामर्शिकाएं भी प्रसारित की जाती है। किसानों का फीडबैक भी लिया जा रहा है और यूट्यूब चैनल में अपलोड किया जा रहा है। इसके अलावा, कृषि मौसम क्षेत्र इकाई और जिला कृषि मौसम क्षेत्र इकाई द्वारा बनाए गए कई फेसबुक पेजों के माध्यम से भी परामर्शिकाएं प्रसारित की जा रही है। राज्य सरकार के मोबाइल ऐप और वेबसाइटों के साथ मौसम पूर्वानुमान और एग्रोमेट परामर्शिकाओं के एकीकरण के लिए राज्य सरकार के सहयोग से पहल की गई है। मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान और नागालैंड राज्यों के लिए एकीकरण कार्य पूरा हो चुका है और उपर्युक्त राज्यों के लगभग 5.6 मिलियन किसान मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम परामर्शिकाओं से लाभान्वित हो रहे हैं।

आईसीटी की प्रगति के साथ, किसान पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए मोबाइल ऐप अर्थात 'मेघदूत' के माध्यम से अपने जिलों के लिए विशिष्ट अलर्ट और संबंधित कृषि मौसम परामर्शिकाएं सहित मौसम की जानकारी प्राप्त करते हैं। ये मौसम विवरण किसानों द्वारा कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए एक अन्य ऐप 'किसान सुविधा' के माध्यम से भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा, कुछ कृषि मौसम क्षेत्र इकाईयों ने अपने क्षेत्र के किसानों को कृषि मौसम संबंधी परामर्शिकाओं के त्वरित प्रसार की सुविधा के लिए मोबाइल ऐप विकसित किए हैं।

आईएमडी देश के विभिन्न हिस्सों में कृषि मौसम क्षेत्र इकाईयों और जिला कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयों के सहयोग से किसान जागरूकता कार्यक्रम (एफएपी) आयोजित करके कृषक समुदाय के बीच सेवाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। आईएमडी के साथ कृषि मौसम क्षेत्र इकाईयों और जिला कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयों के विशेषज्ञ भी सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए किसान मेलों, किसान दिवस आदि में भाग लेते हैं, ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हों।

जिला स्तर पर कृषि मौसम परामर्शी सेवाओं के सफल कार्यान्वयन के बाद, ब्लॉक स्तरीय कृषि मौसम परामर्शी सेवाओं (एएएस) को लागू करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) में जिला कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयों की स्थापना की जा रही है। ब्लॉक स्तरीय मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम परामर्शिकाएँ सूक्ष्म स्तर पर दिन-प्रतिदिन के कृषि कार्यों पर निर्णय लेने में किसानों की सहायता करेंगे।

(ङ) कृषि मौसम परामर्शिकाएं मल्टीचैनल प्रसार के माध्यम से प्रसारित किए जाते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एम-किसान और मेघदूत ऐप के माध्यम से बिलासपुर संसदीय क्षेत्र के बिलासपुर, मुंगेली और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों के साथ-साथ दुर्ग संसदीय क्षेत्र में लाभान्वित होने वाले किसानों की संख्या का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है। कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयों और जिला कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयों द्वारा गठित व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से कृषि-परामर्शिकाएं भी भेजी जाती है।

दुर्ग और बिलासपुर संसदीयक्षेत्र में कृषि परामर्शिका का प्रसार

संसदीय क्षेत्र	किसान पोर्टल	रिलायंस फाउंडेशन	मेघदूत ऐप	कुल
दुर्ग संसदीय क्षेत्र **(**दुर्ग और बेमतारा जिले को कवर करते हुए)	102956	8659 (दुर्ग जिले में)	1153	112768
बिलासपुर संसदीय क्षेत्र **(**जिला बिलासपुर**,** मुंगेली और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही को कवर करते हुए)	146226		1008	147234
कुल				260002

****